ग्रामीण बेरोजगार

98. **श्री सत्यपाल मलिक** : क्या योजना मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कुल ग्रामीण जनसंख्या के कितने प्रतिशत लोग बेरोजगार हैं ;

(ख) क्या सरकार के पास पूरे वर्ष के दौरान बेरोजगार रहने वालों तथा अल्प-कालिक बेरोजगारों के संबंध में कोई जानकारी है ; और

(ग) सरकार ने ग्रामीण बेंरोजगारों को उत्पादन किस्म के रोजगार मुहैय्या कराने के लिए क्या कदम उठाये हैं ?

योजना मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० आर० नारायणन) : (क) राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण सगठन के 32वें दौर (1977–78) के अनुसार, जिसके लिए अद्यतन आंकड़े उपलब्ध हैं, ग्रामीण जनसंख्या के 5+आयु वर्ग के बेरोजगारों (सामान्य-स्तर) का प्रतिशत 1.55 प्रतिशत था।

(ख) छठी योजना के प्रयोजन के लिए मार्च, 1980 में 5+आयुवर्ग के बेरोजगारी के अनुमान यह मानकर लगाए गए हैं कि राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन के 32वें दौर में लगाए गए बेरोजगारी की दरें नहीं बदली होंगी। मार्च, 1980 में 5+आयु वर्ग के लिए ग्रामीण बेरोजगारी के अनुमान स्तर और दैनिक स्तर ने अनुसार क्रमश: 72.2 लाख और 153.6 लाख है। सामाय स्तर पर बेंरोजगारी का तात्पर्य सापेक्ष रूप में दीर्घावधि बेंरोजगारी से है। दैनिक स्तर की बेंरोजगारी के अनुमानों में मौसमी (सीजनल) और अंशकालिक बेरोजगार और अल्प बेरोजगारी आते हैं।

(ग) कृषि और संबद्ध तथा अन्य क्षेत्रों में बढते हुए रोजगार अवसरों के सृजन के अलावा, अनेक राज्य रोजगार/लाभोन्मुख कार्यक्रम कार्यान्वित किए जा रहे हैं—जैसे एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम और स्वरोजगार के लिए ग्रामीण युवकों को प्रशिक्षण देने संबंधी स्कीम, राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम और ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारंटी कार्यक्रम।

Kidnapping of Iridian students by Bangladesh Rifles Jawans

99. SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK; Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news item published in the Hindustan Times of the 18th February, 1985 to the effect that two Indian school students were kidnapped by intruding Bangladesh Rifles' Jawans from West Tripura's Narayanpur village;

(b) if so, what are the? details thereof; and

(c) what action has been taken by Government for their release from Bangladesh custody?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRIMATI RAM DULARI SINHA); (a) Yes, Sir.

(b) On 15th February, 1985, Shri Parimal Dey of Usha Bazar and Shri Parimal Sorkar of village Gandhi-ram, both under Police Station Air-poTt Tripura, inadvertently crossed the international border and entered Bangladesh between border pillar No. 201»lS-6-2019|S-7 near Indian village Narayanpur and were apprehended by BDR.

(c) On receipt of information about their inadvertent crossing and apprehension by Bangladesh Rifles, 9 flag,' meeting at Company Commander level between the Border Security Force and Bangladesh Rifles was held on 20th Feb., 1985. On 25th February, 1985. another flag meeting between BSF Commandant and his counterpart was held. At the request of DIG BSF Tripura a flag meeting took place between the Sector Commander BDR and DIG BSF Tripurai on 11th March, 1985. In these meetings the BSF impressed upon the BDR that the Indian nationals had crossed the border inadvertently and requested for their return. However, the BDR stated that they were facing